आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 134 | उज्जैन, सोमवार 07 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मैहर में होगा माँ शारदा लोक का निर्माण- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बहनों की माँग पर मैहर सहित 19 धार्मिक क्षेत्रों में की गई शराबबंदी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मैहर में माँ शारदा देवी का भव्य शारदा लोक का निर्माण किया जायेगा। इसी तरह चित्रकूट में वनवासी भगवान श्रीराम लोक का भी निर्माण होगा। आज रावनवमीं पर पूरी अयोध्या जगमग है तो भगवान श्रीराम की कर्मभूमि चित्रकूट भी आज लाखों दीपों से जगमग होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बहनों की माँग पर मैहर सहित प्रदेश के 19 धार्मिक क्षेत्रों में शराबबंदी कर दी है। मैहर में शीघ्र ही कलेक्ट्रेट भवन का निमार्ण कार्य शुरू किया जायेगा। इसी साल बरगी बांध से माँ नर्मदा का जल मैहर क्षेत्र में सिंचाई के लिए पहुंचाया जायेगा। प्रदेश में सिंचाई के क्षेत्र में तेजी से प्रगति हुई है। वर्ष 2003 में केवल 7 लाख हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा थी, जिसे 55 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाया गया है। विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से अगले 5 साल में प्रदेश में 1 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। मैहर में 250 एकड़ क्षेत्र में विशाल गौशाला का निर्माण भी किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मैहर में रामनवमीं के दिन माँ शारदा मंदिर में दर्शन कर आमसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ शारदा की कृपा से मैहर जिले को मॉडल के रूप में विकसित किया जायेगा। रामनवमीं पर माँ शारदा से मुझे आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है। आज हम रामनवमीं के साथ माँ शारदा के परम भक्त और परमवीर आल्हा का 1300वां जन्म वर्ष भी मना रहे हैं। आल्हा ने अपनी वीरता से बुंदेलखण्ड की धरती को वीरों की धरती बनाया। प्रदेश में आल्हा के जीवन से जुडे कार्यक्रम वर्ष भर आयोजित किये जायेंगे, जिसका पूरा खर्च सरकार उठायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोक कलाकारों ने भी वीर रस से भरे हुए मोहक आल्हा गायन से युद्धों का सजीव वर्णन किया। ऐसा लग रहा था जैसे सचमुच में तलवारें चल रही हैं। मुख्यमंत्री ने मंच में आल्हा कार्यक्रम की प्रस्तुति देने वाली कला-मण्डलियों को 50-50 हजार रूपये देने की घोषणा की।

वक्फ संशोधन बिल को मिली राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मंजूरी, अस्तित्व में आया नया कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन विधेयक, 2025 कानून बन गया है। मैराथन बहस के बाद संसद के दोनों सदनों से पारित विधेयक को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार देर रात मंजूरी दे दी। इसके साथ ही राष्ट्रपति मुर्मु ने मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक, 2025 को भी अपनी स्वीकृति दे दी।

सरकार ने एक अधिसूचना में कहा कि संसद से पारित वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई है। इससे पहले लोकसभा और राज्यसभा से वक्फ (संशोधन) विधेयक गरमागरम बहस के बाद पारित कर दिया था।

वहीं, नए कानून को कांग्रेस, एआईएमआईएम और आम आदमी पार्टी (आप) ने अलग-अलग याचिकाओं के साथ सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

अब पूरे देश में नया वक्फ कानून लागू हो जाएगा - नए कानून का उद्देश्य पक्षपात, वक्फ संपत्तियों का दुरुपयोग और वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण को रोकना है। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार ने कहा है कि यह कानून मुस्लिम विरोधी नहीं है। वहीं, राष्ट्रपति मुर्मु के हस्ताक्षर के बाद वक्फ (संशोधन) विधेयक कानून बन गया है। अब पूरे देश में नया वक्फ कानून लागू हो जाएगा।

गले में पट्टा... घुटनों के बल चलवाया, खराब प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के साथ कंपनी ने की अपमानजनक हरकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में एक कंपनी पर खराब प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के साथ अपमानजनक व्यवहार करने का आरोप लगा है। सोशल मीडिया पर 12 सेकंड का वीडियो वायरल है। वीडियो में दिख रहा है कि एक कर्मचारी को घुटने और हाथ के बल चलने पर मजबूर किया जा रहा है। इसके बाद एक थाली पर रखे सिक्के को चाटने को कहा जाता है। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद केरल सरकार एक्शन में आ आई है।

जानकारी के मुताबिक कर्मचारियों से अपमानजनक व्यवहार केरल की एक विपणन फर्म ने किया है। स्थानीय टीवी चैनलों में वीडियो वायरल होने के बाद केरल क श्रम विभाग ने मामले की जांच का आदेश दिया है। श्रम मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने घटना की जांच करने और जिला श्रम अधिकारी को तत्काल रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है।

श्रम मंत्री शिवनकुट्टी ने इन दृश्यों को चौंकाने और विचलित करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि केरल जैसे राज्य में इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।

मुझे अपने बेटे पर गर्व, अनंत अंबानी ने पूरी की 170KM की पदयात्रा तो नीता अंबानी ने जाहिर की खुशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी ने रविवार को गुजरात के जामनगर से द्वारका तक 170 किमी लंबी पदयात्रा पूरी की। अनंत की इस उपलब्धि पर उनकी मां और रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक व अध्यक्ष नीता अंबानी ने खुशी जाहिर की। रामनवमी के शुभ अवसर पर अनंत अपने परिवार के साथ द्वारकाधीश मंदिर पहुंच चुके हैं। 10 अप्रैल को अनंत का 30वां जन्मदिन भी है।

पदयात्रा पूरी करने पर बेटे पर गर्व- नीता अंबानी ने कहा कि जामनगर से द्वारका तक पदयात्रा पूरी करने पर अपने बेटे पर गर्व है। उन्होंने आगे कहा कि एक मां के तौर पर मेरे सबसे छोटे बेटे अनंत को द्वारकाधीश के इस दिव्य स्थान की पदयात्रा पूरी करते देखना बहुत गर्व की बात है। पिछले 10 दिनों से अनंत की पदयात्रा में शामिल सभी युवा हमारी संस्कृति का प्रचार-प्रसार करने में जुटे हैं। मैं भगवान द्वारकाधीश से प्रार्थना करती हूं कि वे अनंत को शक्ति प्रदान करें।

शादी के बाद पदयात्रा की थी इच्छा- अनंत अंबानी की पत्नी राधिका मर्चेंट ने बताया कि अनंत की इच्छा थी कि शादी के बाद वे पदयात्रा पर जाए। उन्होंने कहा कि आज अनंत का 30वां जन्मदिन है। उनकी इच्छा थी कि वह हमारी शादी के बाद यह पदयात्रा करें। हमें गर्व है कि हम आज यहां उनका जन्मदिन मना रहे हैं। मैं उन सभी का शुक्रिया अदा करती हूं जिन्होंने पदयात्रा को सफल बनाने के लिए अनंत को आशीर्वाद दिया।

वक्फ संपत्ति के नाम पर बड़ा हेरफेर, कागज में मस्जिद और दरगाह; हकीकत में चल रही दुकान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संपत्ति को लेकर बड़े पैमाने पर अनियमितता रही है। ज्यादातर संपत्ति का लेखा-जोखा नहीं है। अगर किसी का रिकॉर्ड है तो कागज में कुछ, जबकि धरातल पर कुछ और संपत्ति मिल रही है। बरेली के आंवला के पक्का कटरा में वक्फ नंबर 610444 में संपत्ति के रूप में एक मकान दर्ज है, लेकिन मौके पर 21 दुकान, दो मकान और एक मस्जिद मिली।

हाथरस के सिकंदराराऊ में वक्फ की जमीन तहसील में निजी रूप में दर्ज है। यह तो सिर्फ बानगी है। जानकारी के मुताबिक, केंद्र सरकार ने बिल पेश करने से पहले ही अलग-अलग एजेंसियों से देशभर में वक्फ संपत्तियों का सर्वे कराया था।

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय ने बिहार, उत्तराखंड, दिल्ली व उत्तर प्रदेश में सर्वे के लिए एएमयू इंटरडिसिप्लिनरी डिपार्टमेंट आफ रिमोट सेंसिंग को नोडल एजेंसी बनाया था। जिसके लिए 85 से अधिक सर्वेयर की टीम लगाई गई। इसमें आइआइटी कानपुर व जामिया मिलिया विश्वविद्यालय की टीम ने सहयोग किया। उत्तर प्रदेश में प्रोजेक्ट कोआर्डिनेटर प्रो. खुर्शीद अहमद ने बताया कि वक्फ की संपत्तियों का बुरा हाल है।

उत्तर प्रदेश वक्फ की जमीन का होगा सर्वे - उत्तर प्रदेश वक्फ बोर्ड ने सर्वे को अभी तक सत्यापित नहीं किया है। यह होने के बाद ही केंद्र सरकार को फाइनल रिपोर्ट दी जाएगी। इसके लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिख चुके हैं।

रक्षा मंत्री ने IOS सागर को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे से हिंद महासागर पोत सागर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में मुक्त नौवहन, नियम आधारित व्यवस्था और शांति सुनिश्चित करना भारत का सबसे बड़ा उद्देश्य है।

भारत किसी भी देश की संप्रभुता से समझौता किए बिना हिंद महासागर में हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। राजनाथ नौसेना कमांडरों के सम्मेलन में भाग लेने और प्रोजेक्ट सीबर्ड के तहत नौसेना बेस पर नए विकसित बुनियादी ढांचे का उद्घाटन करने के लिए कारवार पहुंचे थे।

श्रीलंका में PM मोदी ने रेल ट्रैक और सिग्नलिंग सिस्टम का किया उद्घाटन, जय श्री महा बोधि मंदिर में लिया आशीर्वाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने तीन दिवसीय श्रीलंका दौरे के आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ मिलकर महो-अनुराधापुरा रेलवे लाइन के सिग्नलिंग सिस्टम का शुभारंभ किया। इस प्रोजेक्ट पर भारत श्रीलंका को मदद दे रहा है। पीएम मोदी ने अनुराधापुरा रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन को हरी झंडी भी दिखाई।

श्री महा बोधि मंदिर भी पहुंचे- राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के साथ पीएम मोदी अनुराधापुरा में स्थित जय श्री महा बोधि मंदिर भी पहुंचे। यहां मंदिर के मुख्य पुजारी ने प्रधानमंत्री मोदी के हाथ पर रक्षा सूत्र बांधा। बता दें कि यह मंदिर भारत और श्रीलंका के बीच आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व का केंद्र है। मंदिर में एक बोधि वृक्ष है। मान्यता है कि सम्राट अशोक की बेटी संघमित्रा भारत से पौधे लेकर आई थी। उन्हीं से यह पेड़ तैयार हुआ है।

अनुराधापुरा में पीएम का भव्य स्वागत- अनुराधापुरा श्रीलंका का ऐतिहासिक शहर है। रविवार को यहां पहुंचने पर पीएम मोदी का राष्ट्रपति दिसानायके ने गर्मजोशी से स्वागत किया। श्रीलंका वायुसेना के जवानों ने पीएम मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि अपने मित्र राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के साथ अनुराधापुरा में।

उन्नत रेल ट्रैक का उद्घाटन किया- दोनों नेताओं ने साथ मिलकर माहो-ओमानथाई लाइन के उन्नत रेलवे ट्रैक और माहो-अनुराधापुरा रेलवे खंड के नई सिग्नलिंग प्रणाली का उद्घाटन किया। इन दोनों प्रोजेक्ट को भारत की सहायता से तैयार किया गया है। भारत के रेल मंत्रालय के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड ने इन प्रोजेक्ट पर काम किया है।

सात समझौतों पर लगी मुहर- श्रीलंका और भारत के बीच शनिवार को रक्षा समेत सात समझौतों पर मुहर लगी है। श्रीलंका ने पीएम मोदी को देश के सर्वोच्च सम्मानों में से एक श्रीलंका मित्र विभूषण से नवाजा।

जिंदगी भर रेत से बनाई मूर्ति, अब ब्रिटेन में सुदर्शन पटनायक को मिला खास अवॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व प्रसिद्ध सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक को इस क्षेत्र में उनके योगदान के लिए फ्रेड डारिंगटन सैंड मास्टर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। शनिवार को दक्षिणी इंग्लैंड के डोरसेट काउंटी के वेमाउथ में शुरू हुए सैंडवर्ल्ड 2025 अंतर्राष्ट्रीय रेत कला महोत्सव के दौरान पटनायक ने एक और मील का पत्थर स्थापित किया जब उन्होंने भगवान गणेश की 10 फीट ऊंची रेत की मूर्ति बनाई, जिस पर विश्व शांति का संदेश था।

उन्हें इस प्रतिष्ठित पुरस्कार का विजेता घोषित किया गया, जो इसलिए भी खास है क्योंकि वर्ष 2025 में प्रसिद्ध ब्रिटिश रेत मूर्तिकार फ्रेड डारिंगटन की शताब्दी मनाई जाएगी। पटनायक ने कहा, मैं वेमाउथ, यूके में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय रेत कला महोत्सव सैंडवर्ल्ड 2025 में फ्रेड डारिंगटन ब्रिटिश सैंड मास्टर पुरस्कार प्राप्त करने वाला पहला भारतीय कलाकार बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

मेयर जॉन ओरेल ने दिया सम्मान- उन्होंने कहा, यह सम्मान भगवान गणेश की मेरी 10 फीट की रेत की मूर्ति का प्रमाण है, जो विश्व शांति के सार्वभौमिक संदेश का प्रतीक है। वेमाउथ के मेयर जॉन ओरेल ने महोत्सव में पटनायक को पुरस्कार और पदक प्रदान किया। वेमाउथ को ब्रिटिश रेत मूर्तिकला का जन्मस्थान कहा जाता है।

सैंडवर्ल्ड के निदेशक मार्क एंडरसन, इसके सह-संस्थापक डेविड हिक्स और लंदन में भारतीय उच्चायोग में संस्कृति मंत्री नाओरेम जे सिंह पुरस्कार समारोह में उपस्थित थे। इस वर्ष का विशेष प्रदर्शनी कार्यक्रम इस सप्ताहांत शुरू हुआ और नवंबर तक चलेगा। आयोजकों ने कहा, वेमाउथ के लोडमूर पार्क में स्थित यह अनूठा, सभी मौसमों में आकर्षण रेत और पानी के अलावा कुछ भी उपयोग किए बिना कला के अविश्वसनीय कार्यों को जीवंत करता है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पुरी के रहने वाले पटनायक को इस पुरस्कार के लिए बधाई दी। माझी ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित और प्रख्यात रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक को पहले ब्रिटिश सैंड मास्टर पुरस्कार द फ्रेड डारिंगटन से सम्मानित होने पर हार्दिक बधाई। उनके योगदान ने वैश्विक मंच पर हमारे देश और राज्य की सांस्कृतिक विरासत को और बढ़ाया है।

ट्रंप और मस्क का अपने ही देश में विरोध, 1200 से अधिक जगहों पर प्रदर्शन का एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। संघीय कर्मचारियों की संख्या कम करने, अर्थव्यवस्था, मानवाधिकारों और अन्य मुद्दों को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अरबपति एलन मस्क के खिलाफ पूरे अमेरिका में प्रदर्शन होने वाला है।

नागरिक अधिकार संगठनों, श्रमिक संघों, दिग्गजों सहित 150 से अधिक समूहों द्वारा 1,200 से अधिक प्रदर्शनों की योजना बनाई गई है। आयोजकों का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि यह प्रदर्शन जनवरी में ट्रंप के पद पर लौटने के बाद सबसे बड़ा होगा।

ट्रंप के फैसलों के खिलाफ होगा प्रदर्शन- वाशिंगटन डीसी में नेशनल मॉल, राज्य की राजधानियों और सभी राज्यों में अन्य स्थानों पर विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई गई है।

प्रदर्शनकारी हजारों संघीय कर्मचारियों को निकालने, सामाजिक सुरक्षा प्रशासन के क्षेत्रीय कार्यालयों को बंद करने, पूरी एजेंसियों को प्रभावी रूप से बंद करने, अप्रवासियों को निर्वासित करने, ट्रांसजेंडरों के लिए सुरक्षा को कम करने और स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लिए संघीय वित्त पोषण में कटौती के ट्रंप प्रशासन के कदमों की आलोचना कर रहे हैं।

एलन मस्क को लेकर भी लोगों में रोष- टेस्ला, स्पेसएक्स और एक्स के मालिक मस्क अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकार हैं। उन्होंने सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के रूप में सरकार के आकार घटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका कहना है कि वे करदाताओं के अरबों डॉलर बचा रहे हैं।

ट्रंप लाभार्थियों के लिए समाजिक सुरक्षा की रक्षा करेंगे- व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप की स्थिति स्पष्ट है। वे हमेशा पात्र लाभार्थियों के लिए सामाजिक सुरक्षा, मेडिकेयर और मेडिकेड की रक्षा करेंगे। इस बीच, डेमोक्रेट्स का रुख अवैध विदेशियों को सामाजिक सुरक्षा, मेडिकेड और मेडिकेयर लाभ देना है, जो इन कार्यक्रमों को दिवालिया कर देगा और वरिष्ठ नागरिकों को बर्बाद कर देगा।

अमेरिका में लैपटॉप और कार की खरीदारी की लगी होड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूयार्क निवासी जॉन गुटिरेज पिछले एक साल से नया लैपटाप खरीदने के बारे में सोच रहे थे। टेक्सास के रहने वाले आस्टिन को फोटोग्राफी के काम के लिए तेज प्रोसेसिंग और ज्यादा स्टोरेज वाले कंप्यूटर की जरूरत थी। उनकी नजर एक ताइवानी ब्रांड के उत्पाद पर थी।

इस बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को ताइवान से आयात पर 32 प्रतिशत कर सहित नए टैरिफ की घोषणा की। उसी दिन गुटिरेज ने न्यूयार्क में फोटो और वीडियो गियर में विशेषज्ञता रखने वाले एक रिटेलर से 2,400 डॉलर के बेस प्राइस पर लैपटाप ऑर्डर किया।

अमेरिकी जनता टैरिफ से पहले खरीदने में जुटी सामान- उन्होंने कहा, मैंने सोचा कि मैं इसे अभी खरीद लूंगा और फिर इस तरह मेरे पास अपने लैपटॉप पर नवीनतम तकनीक होगी और मुझे टैरिफ के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं होगी।÷ गुटिरेज उन अमेरिकी उपभोक्ताओं में से हैं, जो टैरिफ लागू होने से पहले जरूरी चीजें खरीदने में लगे हैं।

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि टैरिफ से रोजमर्रा की चीजों की कीमतें बढ़ने की आशंका है। कमजोर अमेरिकी आर्थिक विकास के लिए यह एक चेतावनी है।

इजरायल में हिरासत में लिए गए दो ब्रिटिश सांसद, ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने शनिवार को इज़रायल में दो ब्रिटिश सांसदों की हिरासत और प्रवेश से इनकार करने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने इसे अस्वीकार्य और विपरीत परिणाम वाला कदम बताया। लैमी ने ब्रिटिश सांसदों के समर्थन का आश्वासन भी दिया और गाजा में संघर्ष समाप्त करने और बंदियों को मुक्त करने के लिए ब्रिटेन सरकार के निरंतर प्रयासों पर जोर दिया।

इज़रायल में सांसदों को हिरासत में लिया गया

इज़रायल सरकार ने लेबर पार्टी के सांसद अबतिसाम मोहम्मद और युआन यांग को इज़रायल में प्रवेश से मना कर दिया। इज़रायली अधिकारियों के अनुसार, इन सांसदों को इसलिए रोका गया क्योंकि जांच में यह सामने आया कि उनका उद्देश्य इज़रायली सुरक्षा बलों की गतिविधियों का दस्तावेजीकरण करना और इज़रायल के खिलाफ घृणा फैलाना था। दोनों सांसदों ने दावा किया था कि वे एक आधिकारिक ब्रिटिश संसदीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं, लेकिन यह दावा गलत साबित हुआ क्योंकि किसी इज़रायली अधिकारी ने ऐसी जानकारी की पुष्टि नहीं की।

बदला-बदला सा दिख रहा पड़ोसी मुल्क! बैंकॉक में मोदी-यूनुस की मुलाकात का असर, अब हिंदुओं की सुरक्षा के लिए उतरी सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थाईलैंड के दौरे पर गए थे, जहां उनकी मुलाकात बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस से हुई थी।

इस मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा का मुद्दा उठाया था। अब इसका असर भी दिखने लगा है। रामनवमी और दुर्गा पूजा के अवसर पर पड़ोसी मुल्क में हिन्दुओं के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई, जिससे हिंदुओं को पूजा करने में कोई दिक्कत परेशानी का सामना न करना पड़े।

बांगलादेश में महा अष्टमी, बसंती पूजा और पुण्यस्नान के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में धार्मिक अनुष्ठान शांतिपूर्वक तरीके से हुए। लाखों भक्तों ने इस अवसर पर भाग लिया और बांगलादेश सेना ने पूजा मंडपों, स्नान घाटों और अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से अपनी ड्यूटी निभाई।

सेना की सुरक्षा व्यवस्था और आयोजन स्थल पर निगरानी- बांगलादेश आर्मी ने पूजा आयोजनों के दौरान अपनी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया। देशभर के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों पर सेना ने चौबीसों घंटे गश्त और निगरानी की व्यवस्था की। इसके अलावा, सेना यातायात प्रबंधन में भी सहायता प्रदान कर रही है। लांगलाबंध, नारायणगंज में ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे आयोजित महा अष्टमी पुण्यस्नान में लाखों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया जिनमें भारत, श्रीलंका और नेपाल से भी भक्त आए।

धार्मिक स्थलों पर भक्तों का उत्साह और सेना की मदद- बांगलादेश के विभिन्न स्थानों पर जैसे चिलमारी उपजिला, कोमिला, चांदपुर और चटगांव में भारी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए और पूजा की। सेना ने प्रत्येक पूजा मंडप क्षेत्र में निगरानी को मजबूत किया और शांति बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास किए।

अमेरिका को तोड़ने में लगे ट्रंप, 50 राज्यों के 1200 शहरों में हजारों लोग सड़कों पर उतरे; एलन मस्क को बताया खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के खिलाफ अमेरिका में बड़े पैमाने पर प्रदर्शनों का दौर शुरू हो चुका है। 2017 में महिला मार्च और 2020 में ब्लैक लाइव्स मैटर के बाद ट्रंप को इतने बड़े विरोध प्रदर्शन का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी नागरिक ट्रंप के देश चलाने के तरीके से खफा हैं। लोगों की बड़ी भीड़ ने शनिवार को अमेरिका के 50 राज्यों में 1200 से अधिक स्थानों पर शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया।

150 से अधिक समूहों ने लिया हिस्सा- प्रदर्शन में 150 से ज्यादा समूहों के नागरिक अधिकार संगठन, श्रमिक संघ, एलजीबीटीक्यू प्लस अधिवक्ता और चुनाव कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। मिडटाउन मैनहट्टन से एंकोरेज, अलास्का तक अमेरिका के सैकड़ों शहरों में हजारों प्रदर्शनकारियों ने छंटनी, अर्थव्यवस्था, आव्रजन और मानवाधिकारों पर ट्रंप और एलन मस्क की नीतियों का विरोध किया। आम लोगों की हैंड्स आफ रैली ने ट्रंप प्रशासन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

क्यों प्रदर्शन करने पर उतरे लोग- पोर्टलैंड, ओरेगन और लॉस एंजिल्स में सड़कों पर उतरे सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने पर्शिंग स्क्वायर से सिटी हॉल तक मार्च किया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। डोनाल्ड ट्रंप के शासन में आने के बाद से ही अमेरिका में एलन मस्क के नेतृत्व में सरकारी दक्षता विभाग छंटनी करने में जुटा है। लोग छंटनी, सामाजिक सुरक्षा प्रशासन के क्षेत्रीय कार्यालयों को बंद करने, आप्रवासियों को निर्वासित करने, ट्रांसजेंडरों की सुरक्षा और स्वास्थ्य कार्यक्रमों के फंड में कटौती के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं।

क्या अमेरिका और यूरोप में होगा जीरो टैरिफ का समझौता? एलन मस्क के बयान से लगने लगे कयास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलोन मस्क ने शनिवार को इटली के लीग पार्टी के नेता माटेओ साल्विनी से वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि भविष्य में अमेरिका और यूरोप के बीच एक बहुत करीबी और मजबूत साझेदारी बनानी चाहिए और एक शून्य-टैरिफ क्षेत्र बनाना चाहिए। मस्क का यह विचार यूरोप और उत्तरी अमेरिका के बीच मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाने के संबंध में था।

ब्रिटेन और फ्रांस के नेताओं की व्यापार युद्ध पर चर्चा- ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शनिवार को ट्रंप द्वारा लगाए गए नए शुल्कों के असर पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि व्यापार युद्ध किसी के भी हित में नहीं है और यह महत्वपूर्ण है कि व्यापारिक मामलों पर अद्यतन जानकारी व्यापारियों तक पहुंचे। साथ ही, दोनों ने यूक्रेन युद्ध के बारे में भी चर्चा की और शांति प्रयासों में सहयोग बढ़ाने पर विचार किया।

ट्रंप के नए शुल्क लागू होने के बाद प्रतिक्रिया- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लागू किए गए 10त्न शुल्क शनिवार से प्रभावी हो गए हैं, जिनसे व्यापारिक प्रक्रियाओं में बदलाव आए हैं। ट्रंप ने इस कदम को आर्थिक क्रांति कहा, लेकिन बाजार में प्रतिक्रिया नकारात्मक रही है। शेयर बाजारों में भारी गिरावट आई है। इसके अलावा, ट्रंप द्वारा लागू किए गए उच्च शुल्क कुछ देशों के लिए अगले हफ्ते लागू होंगे, जिनमें लेसोथो, कंबोडिया और मडागास्कर जैसे देश शामिल हैं।

वर्टिकल लिफ्ट स्पैन, 2 किलोमीटर लंबाई... देश को मिला पंबन रेल ब्रिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रामेश्वरम द्वीप और मुख्यभूमि को जोड़ने वाले पांबन समुद्र पुल का उद्घाटन किया। इसके साथ ही, उन्होंने रामेश्वरम-ताम्बरम (चेन्नई) नई ट्रेन सेवा की शुरुआत की। इसके अलावा, पीएम मोदी ने एक कोस्ट गार्ड शिप को भी फ्लैग ऑफ किया। यह पुल रामेश्वरम को देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

पांबन समुद्र पुल की विशेषताएं- पांबन समुद्र पुल भारत का पहला वर्टिकल सी-लिफ्ट ब्रिज है, जिसकी लंबाई 2.08 किलोमीटर है और इसमें 99 स्पैन हैं। इसमें 72.5 मीटर लंबा वर्टिकल लिफ्ट स्पैन है, जो 17 मीटर तक ऊंचा उठ सकता है।

इससे बड़े जहाजों के आसानी से गुजरने की सुविधा होगी, जबकि ट्रेन संचालन में कोई बाधा नहीं आएगी। इस पुल को बनाने में 550 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है।

पुल का निर्माण और तकनीकी पहलू- पुल की संरचना को मजबूती देने के लिए 333 पाइल्स और 101 पियर्स/पाइल कैप्स का उपयोग किया गया है। यह पुल दो रेल ट्रैक के लिए डिजाइन किया गया है और भविष्य में विस्तार की संभावना को ध्यान में रखते हुए इसे तैयार किया गया है। पुल पर पोलिसिलोक्सेन पेंट का उपयोग किया गया है, जो इसे जंग से बचाता है और समुद्री पर्यावरण में इसकी लंबी उम्र सुनिश्चित करता है।

उद्घाटन में उपस्थित लोग- इस मौके पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि, राज्य के वित्त मंत्री थांगम थेनारसु और अन्य नेता मौजूद थे। श्रीलंका से लौटने के बाद प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत तमिलनाडु के वित्त मंत्री, केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन, भाजपा नेता के. अन्नामलाई और अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने किया।

कौन हैं एमए बेबी, जिन्हें CPM ने सौंपी महासचिव की कमान? चुनाव से पहले पार्टी का बड़ा दांव

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के पूर्व मंत्री एमए बेबी को रविवार को यहां माकपा की 24वीं कांग्रेस में महासचिव चुन लिया गया। हालांकि, पार्टी के कई नेताओं के इस पद के लिए अखिल भारतीय किसान सभा के अध्यक्ष अशोक धावले का भी पुरजोर समर्थन किया था क्योंकि कृषि मुद्दे अभी भी चर्चा में हैं और माकपा ग्रामीण क्षेत्रों में अपना आधार बढ़ाने की कोशिश कर रही है।

बहरहाल, 1954 में केरल के प्रक्कुलम में पीएम अलेक्जेंडर और लिली अलेक्जेंडर के घर जन्मे एमए बेबी का राजनीति से पहला परिचय तब हुआ, जब वह अपने स्कूली दिनों के दौरान केरल छात्र संघ में शामिल हुए। वह 1986 से 1998 तक राज्यसभा के सदस्य रहे। वह 2012 से माकपा की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था पोलित ब्यूरो के सदस्य हैं।

पिछले साल से खाली था पार्टी महासचिव का पद- पिछले साल 12 सितंबर को सीताराम येचुरी के निधन के बाद पार्टी महासचिव का पद खाली हो गया था, जिसके बाद प्रकाश करात ने अंतरिम समन्वयक का पद संभाला। देश की सबसे बड़ी वामपंथी पार्टी - माकपा की 24वीं पार्टी कांग्रेस दो अप्रैल को शुरू हुई थी और रविवार को समाप्त हुई।

बीच समंदर भारतीय नौसेना ने किया कमाल, ओमान तट पर पाकिस्तानी मछुआरे की बचाई जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना के युद्धपोत INS त्रिकंद ने शुक्रवार को ओमान तट के पास मछली पकड़ने वाले एक पाकिस्तानी नाव के चालक दल के सदस्य को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की। भारतीय नौसेना ने एक संकट कॉल को सुना, जिसके बाद मदद के लिए वो आगे बढ़े।

घटना का विवरण- INS त्रिकंद ने शुक्रवार को एक ईरानी डाउ अल ओमेडी से एक संकट कॉल प्राप्त किया, जो ओमान तट से लगभग 350 समुद्री मील की दूरी पर था। जांच में पता चला कि डाउ के एक चालक दल के सदस्य के हाथ में गंभीर चोटें आई थी और वह गंभीर हालत में था। उसे दूसरे डाउ FV अब्दुल रहमान हंजिया में भेज दिया गया था, जो ईरान जा रहा था।

तत्काल चिकित्सा सहायता- INS त्रिकंद ने अपनी दिशा बदलकर घायल चालक दल सदस्य को चिकित्सा सहायता प्रदान की। इस जहाज के मेडिकल अधिकारी और MARCOS (मरीन कमांडो) की टीम ने घायल व्यक्ति का इलाज किया। एनेस्थीसिया देकर टीम ने तीन घंटे तक सर्जरी की और खून बहने को रोका, जिससे हाथ की उंगलियों में होने वाले नुकसान से बचाया गया।

अन्य सहायता और चालक दल की कृतज्ञता- INS त्रिकंद ने घायल चालक दल के सदस्य को बचाने के बाद मछली पकड़ने वाली नाव को एंटीबायोटिक्स सहित अन्य चिकित्सा आपूर्ति प्रदान की।

बीजेपी का सुशासन देखकर लोग..., पार्टी के स्थापना दिवस पर पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं का बढ़ाया हौसला; बताया फ्यूचर प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह दिन पार्टी को देश की प्रगति के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि पार्टी के पिछले वर्षों में मिले ऐतिहासिक जनादेश ने यह स्पष्ट कर दिया है कि लोग बीजेपी की अच्छी शासन व्यवस्था को मान्यता दे रहे हैं।

बीजेपी की प्रगति और जनता का समर्थन- पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लोग हमेशा देश की सेवा में जुटे रहते हैं, चाहे वह लोकसभा चुनाव हो, राज्य चुनाव हो या स्थानीय निकाय चुनाव। पीएम ने यह भी कहा कि बीजेपी के कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ की हड्डी हैं और वह रात दिन देश के कोने-कोने में गरीबों और पिछड़े लोगों की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ÷मैं हमारे सभी मेहनती कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देता हूं, जो हर क्षेत्र में हमारी सरकार की कार्ययोजना को लागू करने में लगे हुए हैं।

बीजेपी के उभार की कहानी- भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 1980 में हुई थी, लेकिन पार्टी का इतिहास इससे कहीं पुराना है। इसकी जड़ें 1951 में बनी भारतीय जनसंघ में हैं, जिसे श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने स्थापित किया था। 1990 के दशक में अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी जैसे नेताओं के नेतृत्व में पार्टी ने ताकत प्राप्त की और केंद्र में सत्ता में आई। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी ने ऐतिहासिक जीत हासिल की और एक मजबूत बहुमत के साथ सरकार बनाई।

अमित शाह और हरदीप सिंह पुरी का संदेश- इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता और गृह मंत्री अमित शाह ने भी कार्यकर्ताओं को बधाई दी।

उस समय कहां चला जाता है तमिल पर गर्व?, भाषा विवाद के बीच पीएम मोदी ने सीएम स्टालिन पर कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज तमिलनाडु में रामनाथपुरम में न्यू पंबन ब्रिज का उद्घाटन किया। इसके बाद पीएम मोदी ने एक जनसभा को भी संबोधित किया। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने तमिलनाडु की विकास बात की।

अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य की डीएमके सरकार और सीएम एमके स्टालिन पर तंज कसा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कुछ लोग बिना किसी वजह के रोते रहते हैं। वहीं, भाषा विवाद को लेकर भी पीएम मोदी ने सीएम स्टालिन पर तंज कसा।

स्टालिन पर पीएम मोदी ने कसा तंज- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कुछ लोगों को केवल रोने की आदत होती है। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु की रेल परियोजनाओं के लिए आवंटित धन लगभग सात गुना बढ़ गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले रेलवे परियोजना के लिए हर साल सिर्फ 900 करोड़ रुपये मिलते थे। इस साल तमिलनाडु का रेल बजट 6,000 करोड़ रुपये से अधिक है।

पीएम ने बताया कि सरकार 77 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण भी कर रही है, जिनमें रामेश्वरम स्टेशन भी शामिल है। इसके साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ग्रामीण सड़कों और राजमार्गों पर काफी काम किया गया है।

भाषा विवाद पर पीएम ने क्या कहा- अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूबे की स्टालिन सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि तमिल भाषा और तमिल विरासत दुनिया के हर कोने तक पहुंचे।

उन्होंने कहा कि कभी-कभी, मुझे आश्चर्य होता है जब मुझे तमिलनाडु के कुछ नेताओं से पत्र मिलते हैं, उनमें से किसी पर भी तमिल भाषा में हस्ताक्षर नहीं होते हैं। अगर हमें तमिल पर गर्व है, तो मैं सभी से अनुरोध करूंगा कि कम से कम अपने नाम पर तमिल में हस्ताक्षर करें।

ईसाइयों की जमीन अब..., राहुल गांधी के बयान पर पूर्व केंद्रीय मंत्री का पलटवार; संविधान पढ़ने की क्यों दी सलाह?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल बीजेपी के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने लोकसभा में विपक्षी नेता राहुल गांधी और केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन द्वारा केंद्र सरकार पर कैथोलिक चर्च की ज़मीन को निशाना बनाने के आरोपों पर कड़ा पलटवार किया। उन्होंने राहुल गांधी को संविधान पढ़ने की सलाह देते हुए कहा कि उनका राजनीति में झूठ फैलाने का तरीका गलत है।

ज़मीन का मालिक होना अपराध नहीं है- चंद्रशेखर चंद्रशेखर ने कहा कि ज़मीन का मालिक होना अपराध नहीं है, जैसे भारतीय रेलवे, सेना और अन्य बड़ी संस्थाओं के पास ज़मीन होती है। लेकिन किसी से ज़मीन हड़पना गलत है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस द्वारा पारित वक्फ एक्ट ने भारतीयों के संपत्ति अधिकारों का उल्लंघन किया था, जिसे अब वक्फ संशोधन अधिनियम द्वारा बहाल किया जा रहा है।

बीजेपी पर आरोपों का जवाब देते हुए पिनाराई विजयन और राहुल गांधी पर निशाना- चंद्रशेखर ने पिनाराई विजयन और राहुल गांधी के आरोपों पर कहा कि मुख्यमंत्री विजयन, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर चुके हैं, अब राहुल गांधी के साथ मिलकर केरल के लोगों के दिलों में ज़हर घोलने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह राजनीति की एक कोशिश है, जो केरल के लोगों पर असर नहीं डालेगी।

राहुल गांधी और पिनाराई विजयन ने आरोप लगाया था कि वक्फ संशोधन अधिनियम के पारित होने के बाद बीजेपी अब कैथोलिक चर्च की ज़मीन को निशाना बना रही है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि यह कदम मुस्लिम समुदाय पर हमले का प्रारंभ है, जो भविष्य में अन्य अल्पसंख्यक समुदायों को भी प्रभावित कर सकता है।

राहुल गांधी और पिनाराई विजयन के बयान- राहुल गांधी ने कहा कि अब आरएसएस का ध्यान ईसाइयों पर भी केंद्रित हो गया है और इस संशोधन अधिनियम के बाद यह एक संभावित खतरा बन सकता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल दशमी

संपादकीय

भविष्य का वैश्विक नेतृत्व करने वाले देश के रूप में तीव्रता से स्थापित होने की राह पर भारत

वैश्विक स्तरपर भारत अपने अनमोल संस्कृति, सभ्यता, सशक्त मानवीय बौद्धिक क्षमता,आध्यात्मिकता के लिए प्रतिष्ठित, प्रेरणा स्रोत और भविष्य का वैश्विक नेतृत्व करने वाले देश के रूप में तीव्रता से स्थापित होने की राह पर है, और हो भी क्यों ना? क्योंकि हर भारतीय नागरिक में एक ज़ज्बा जुनून और जांबाज़ी समाई हुई है, वह दुखों परेशानियों से जंग कर उनमें से सफलता का मार्ग निकालने का जुनून है। जिसका जीता जागता उदाहरण हमने भयंकर कोविड-19 महामारी की त्रासदी में प्रत्यक्ष रूप से वैश्विक स्तरपर दिखाया हैं और वैक्सीनेशन अभियान आज 220 करोड़ के पार हो चुका है हमारे आध्यात्मिक स्तरपर भी लोगों को प्रोत्साहित किया जाता है कि जीवन के हर बीते हुए दिन का शुकराना अदा कीजिए क्योंकि यदि अच्छे दिन हमें खुशी देते हैं तो बुरे दिनों से हमें जंग कर सबक सीखने को मिलता है और हम फतह हासिल करते हैं,क्योंकि दुनिया में कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं है जिसके पास कोई दुख ना हो हर परिस्थितियों में ईश्वर अल्लाह का शुकराना अदा करते हुए ज़ज्बा और जुनून कायम रखना है आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे कि आओ जीवन के अच्छे बुरे दोनों दिनों का शुक्राना अदा करें।

साथियों बात अगर हम दुखों की करें तो,हम सभी के जीवन मे कभी ना कभी ऐसा पल जरूर आता है जब हम काफ़ी दुख भरे समय से गुज़र रहे होते हैं। कभी किसी से बिछड़ने का दुख, कभी कुछ हारने के दुख, कभी किसी की याद का दुख, कुछ ना कुछ दुख हम हमेशा झेल रहे होते हैं। कई बार तो हम परेशान भी हो जाते है और सोच में पड़ जाते हैं की आख़िर सारे दुख हमे ही क्यों मिलते है? समय कोई भी बुरा नहीं होता है। पर मुश्किल अवश्य होता है। मुश्किल समय की एक अच्छाई होती है वो हमें मजबूत बनाता है। लड़ना सिखाता है। और पहले से अधिक साहसी बनाता है। और हमें एक नया और चुनौतीपर्ण उद्देश्य देता है क्योंकि उद्देश्य हीन जीवन किसी को पसन्द नहीं होता है। मुश्किल समय ही हमें दुनिया में स्थापित करता है।

साथियों बात अगर हम बुरे दिनों से सबक लेने की करें तो बुरे वक्त की सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि यहआईने में अपनों का चेहरा बिल्कुल स्पष्ट दिखा देता है।इस दौर में अपना बनने का अभिनय करने वाले ईद का चांद हो जाते हैं।खैर बुरा वक्त इंसान को बेहतरीन सबक देता है। यह इंसान को अन्य किसी भी चीज की तुलना में अधिक सिखाता है।बुरे वक्त में न टूटने वाला इंसान बाद में बहुत मजबूत होकर उभरता है। वह अपने जीवन को अभिमान रहित जीता है और किसी अन्य के लिए परेशानी का सबब नहीं बनता। वह संतुलित हो जाता है। जीवन की कठिन सच्चाइयां उसके व्यक्तित्व को निखार देती है।बुरे वक्त की आंच में तपा हुआ इंसान कभी भी अपने धन का झूठा अहंकार नहीं सकता और यथासंभव दूसरे जरूरतमंदों की मदद करता है।

साथियों शायद जीवन की यही तो हक़ीकत है, कि यहां जब दुःख और तकलीफें आती है, तब किसी भी इंसान को सँभलने का मौका तक नही देती है। लेकिन एक बार जब दुःख और तकलीफों का मारा इंसान संभल जाता है। तब उसके सामने जीवन के किसी भी दुःख की कोई औकात ही नही रह जाती है। लेकिन शायद जीवन में खुश रहना अथवा दुखी रहना हमारे ही हाथो में होता है, क्योकि हम अपने जीवन की जिस परिस्थिति को जैसा मान लेते है, वो परिस्थिति हमारे लिए वैसी ही हो जाती है, यदि हम अपने जीवन की किसी दुःख तकलीफ में खुद को अकेला महसूस करते है।

रवि शंकर

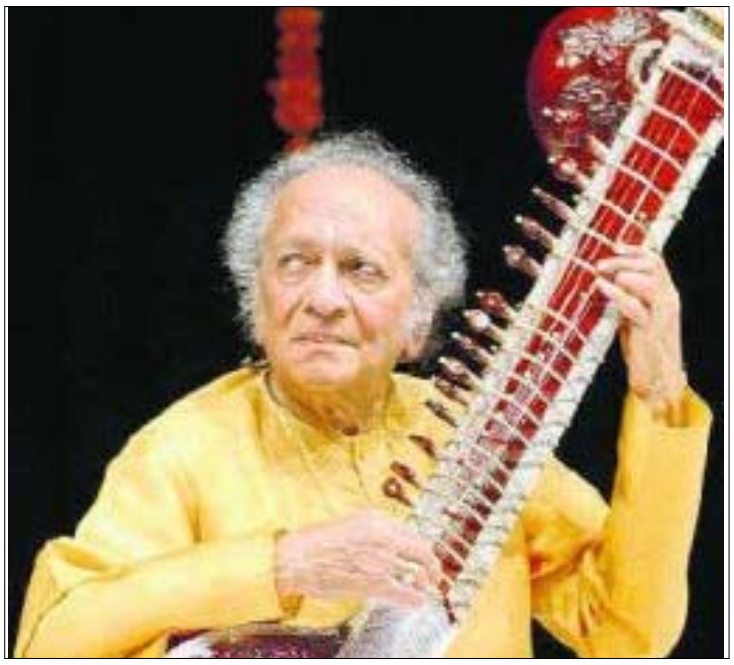

रवि शंकर विश्व में भारतीय शास्त्रीय संगीत की उत्कृष्टता के सबसे बड़े उदघोषक थे। एक सितार वादक के रूप में उन्होंने ख्याति अर्जित की। रवि शंकर और सितार मानो एक-दूसरे के लिए ही बने हों। वह इस सदी के सबसे महान् संगीतज्ञों में गिने जाते थे। रविशंकर को विदेशों में बहुत अधिक प्रसिद्धि प्राप्त हुई। विदेशों में वे अत्यन्त लोकप्रिय एवं सफल रहे। रविशंकर के संगीत में एक प्रकार की आध्यात्मिक शान्ति प्राप्त होती है।

जीवन परिचय

पं रवि शंकर का जन्म संस्कृति-संपन्न काशी में 7 अप्रॅल, सन् 1920 को हुआ था। आपका आरंभिक जीवन काशी के पुनीत घाटों के पर ही बीता। पंडित रविशंकर का बचपन बहुत ही सुखद रहा। उनके पिता प्रतिष्ठित बैरिस्टर थे और राजघराने में उच्च पद पर कार्यरत थे। रविशंकर जब केवल दस वर्ष के थे तभी संगीत के प्रति उनका लगाव शुरू हुआ। पंडित रविशंकर ने बचपन में कला जगत् में प्रवेश एक नर्तक के रूप में किया। उन्होंने अपने बड़े भाई उदय शंकर के साथ कई नृत्य कार्यक्रम किये। उन दिनों को याद करते हुए वह कहते हैं-

मैं बनारस में रहता था। संगीत से मेरा कोई सीधा संबंध नहीं था, लेकिन मेरे दूसरे भाइयों की इसमें पूरी रुचि थी। कोई बांसुरी बजाता था तो कोई सितार। मेरे बडे भाई पंडित उदय शंकर जी नृत्य करते थे। वह मुझे अपने साथ पेरिस ले गए। उनके दल में अच्छे-अच्छे संगीतज्ञ और कलाकार थे। वहीं से मुझमें संगीत का शौक़ पैदा हुआ। पहले तो मैंने नृत्य सीखना शुरू किया, पर अधिक दिनों तक इस क्षेत्र में नहीं रहा। वजह यह थी कि मेरी रुचि संगीत में बढ़ने लगी थी।

शिक्षा

इनकी आरंभिक संगीत शिक्षा घर पर ही हुई। उस समय के प्रसिद्ध संगीतकार और गुरु उस्ताद अलाउद्दीन ख़ां को इन्होंने अपना गुरु बनाया। यहीं से आपकी संगीत यात्रा विधिवत आरंभ हुई। अलाउद्दीन ख़ां जैसे अनुभवी गुरु की आँखों ने आप के भीतर छिपे संगीत प्रेम को पहचान लिया था। उन्होंने आपको विधिवत अपना शिष्य बनाया। वह लंबे समय तक तबला वादक उस्ताद अल्ला रक्खा ख़ाँ, किशन महाराज और सरोद वादक उस्ताद अली अकबर ख़ान के साथ जुड़े रहे। अठारह वर्ष की उम्र में उन्होंने नृत्य छोड़कर सितार सीखना शुरू किया।

परम्परागत भारतीय शैली

रविशंकर संगीत की परम्परागत भारतीय शैली के अनुयायी थे। उनकी अंगुलियाँ जब भी सितार पर गतिशील होती थी, सारा वातावरण झंकृत हो उठता था। अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर भारतीय संगीत को ससम्मान प्रतिष्ठित करने में उनका उल्लेखनीय योगदान है। उन्होंने कई नई-पुरानी संगीत रचनाओं को भी अपनी विशिष्ट शैली से सशक्त अभिव्यक्ति पदान की।

प्रथम प्रस्तुति

पंडित रविशंकर ने पहला कार्यक्रम 10 साल की उम्र में दिया था।

भारत में पंडित रविशंकर ने पहला कार्यक्रम 1939 में दिया था।

देश के बाहर पहला कार्यक्रम उन्होंने 1954 में तत्कालीन सोवियत संघ में दिया था और यूरोप में पहला कार्यक्रम 1956 में दिया था।

1944 में औपचारिक शिक्षा समाप्त करने के बाद वह मुंबई चले गए और उन्होंने फ़िल्मों के लिए संगीत दिया।

1960 के दशक के मध्य में उन्होंने तीन यादगार प्रस्तुतियां मॉनटेरी पॉप फेस्टिवल, कंसर्ट फॉर बांग्लादेश, वुडस्टॉक फेस्टिवल दीं।

संगीत निर्देशन

रवि शंकर ने भारत, कनाडा, यूरोप तथा अमेरिका में बैले तथा फ़िल्मों के लिए भी संगीत कम्पोज किया। इन फ़िल्मों में चार्ली, गांधी और अपू त्रिलोगी भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त आपने अनेक फ़िल्मों में भी अपने संगीत का जादू जगाया है।

सत्यजीत राय की बंगाली फ़िल्म अपू त्रिलोगी एक बहुचर्चित फ़िल्म थी।

हिन्दी फ़िल्म अनुराधा में भी आपने ही संगीत दिया।

पंडित रविशंकर ने अपने लंबे संगीत जीवन में कई फ़िल्मों के लिए भी संगीत निर्देशन किया जिसमें प्रख्यात फ़िल्मकार सत्यजीत राय की फ़िल्में और गुलज़ार द्वारा निर्देशित ÷मीरा÷ भी शामिल है।

रिचर्ड एटिनबरा की फ़िल्म गांधी में भी आपका ही सुरीला संगीत था।

आपने कई पाश्चात्य फ़िल्मों में भी संगीत दिया।

सहृदय रवि शंकर

रवि शंकर ने वर्ष 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के समय वहां से भारत आ गए लाखों शरणार्थियों की मदद के लिए कार्यक्रम करके धन एकत्र किया था। हिन्दुस्तानी संगीत को रविशंकर ने रागों के मामले में भी बड़ा समृद्ध बनाया है। यों तो उन्होंने परमेश्वरी, कामेश्वरी, गंगेश्वरी, जोगेश्वरी, वैरागी तोड़ी, कौशिकतोड़ी, मोहनकौंस, रसिया, मनमंजरी, पंचम आदि अनेक नये राग बनाए हैं, पर वैरागी और नटभैरव रागों का उनका सृजन सबसे ज्यादा लोकप्रिय हुआ। शायद ही कोई दिन ऐसा जाता हो, जब रेडियो पर कोई न कोई कलाकार इनके बनाए इन दो रागों का न गाता-बजाता हो।

जुगलबन्दी

प्रारम्भ में पंडित जी ने अमेरिका के प्रसिद्ध वायलिन वादक येहुदी मेन्युहिन के साथ जुगलबन्दियों में भी विश्व-भर का दौरा किया। तबला के महान् उस्ताद अल्ला रक्खा भी पंडित जी के साथ जुगलबन्दी कर चुके हैं। वास्तव में इस प्रकार की जुगलबन्दियों में ही उन्होंने भारतीय वाद्य संगीत को एक नया आयाम दिया। पंडित जी ने अपनी लम्बी संगीत-यात्रा में अपने और अपने सम्बन्ध में कुछ महत्वपूर्ण पुस्तकें भी लिखी हैं। 'माई म्यूजिक माई लाइफ' के अतिरिक्त उनकी 'रागमाला' नामक पुस्तक विदेश के एक सुप्रसिद्ध प्रकाशक ने प्रकाशित की है।

सम्मान और पुरस्कार

पंडित रवि शंकर को विभिन्न विश्वविद्यालयों से डाक्टरेट की 14 मानद उपाधियां मिल चुकी हैं।

संयुक्त राष्ट्र संघ के अंतर्गत संगीतज्ञों की एक संस्था के सदस्य रहे।

रवि शंकर को तीन ग्रेमी पुरस्कार मिले हैं।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार, पद्म भूषण, पद्म विभूषण तथा भारत का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न भी मिल चुका है।

रवि शंकर को भारतीय संगीत ख़ासकर सितार वादन को पश्चिमी दुनिया के देशों तक पहुंचाने का श्रेय भी दिया जाता है।

1968 में उनकी यहूदी मेनुहिन के साथ उनकी एल्बम ईस्ट मीट्स वेस्ट को पहला ग्रैमी पुरस्कार मिला था। फिर 1972 में जॉर्ज हैरिसन के साथ उनके कॉनसर्ट फॉर बांग्लादेश को ग्रैमी दिया गया। संगीत जगत् का ऑस्कर माने जाने वाले ग्रैमी पुरस्कार की विश्व संगीत श्रेणी में पंडित रविशंकर के साथ स्पर्धा में ब्रिटेन के प्रख्यात संगीतकार जॉन मेक्लॉलिन और ब्राज़ील के गिलबर्टो गिल और मिल्टन नेसिमेल्टो भी शामिल थे।

राज्यसभा मानद सदस्य

1986 में राज्यसभा के मानद सदस्य चुनकर भी उन्हें सम्मानित किया गया। 1986 से 1992 तक राज्य सभा के सदस्य रहे। सितार वादक पंडित रविशंकर भारत के उन गिने चुने संगीतज्ञों में से थे जो पश्चिम में भी लोकप्रिय रहे। रवि शंकर अनेक दशकों से अपनी प्रतिभा दर्शाते रहे। 1982 के दिल्ली एशियाड (एशियाई खेल समारोह) के स्वागत गीत को उन्होंने कई स्वर प्रदान किये थे। उनको देश-विदेश में कई बार सम्मानित किया जा चुका है।

निधन

पंडित रविशंकर का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। अमेरिका में सैन डिएगो के एक अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। पंडित रविशंकर को सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद ला जोल्ला के स्किप्स मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने स्थानीय समयानुसार मंगलवार 11 दिसम्बर, 2012 को शाम 4.30 बजे अंतिम सांस ली।

मशहूर सितार वादक पंडित रविशंकर के अमेरिका के एक अस्पताल में निधन पर शोक जताते हुए प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने बुधवार को कहा कि वह राष्ट्रीय सम्पदा थे। माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से लिखे संदेश में कहा गया है, पंडित रविशंकर के निधन से एक युग का अंत हो गया है, मेरे साथ-साथ पूरा देश उनकी प्रतिभा, कला तथा विन्रमता को श्रद्धांजलि देता है।

टैरिफ बढ़ने के बाद अमेरिका जाने वाले सभी ऑर्डर होल्ड, व्यापारियों ने की केंद्र सरकार से दखल देने की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रंप सरकार की तरफ से पारस्परिक शुल्क की घोषणा का दूरगामी असर चाहे जो भी हो, फिलहाल गारमेंट और लेदर आइटम जैसे रोजगारपरक सेक्टर में अमेरिका से मिलने वाले ऑर्डर होल्ड पर चले गए हैं। निर्यातकों के मुताबिक पुराने ऑर्डर की डिलीवरी भी अमेरिकी खरीदारों ने फिलहाल रोक देने के लिए कहा है।

निर्यातक और आयातक दोनों ही स्थिति के साफ होने का इंतजार कर रहे हैं। भारतीय निर्यातकों को उम्मीद है कि सरकार भारत पर लगाए गए 26 प्रतिशत के पारस्परिक शुल्क को लेकर अमेरिका की सरकार के वार्ता कर सकती है और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटीए) होने तक इसे टालने की गुजारिश कर सकती है।

दूसरी तरफ वियतनाम ने पारस्परिक शुल्क की घोषणा के बाद अमेरिकी वस्तुओं पर लगने वाले शुल्क को पूरी तरह से समाप्त करने की घोषणा की है। वियतनाम पर 46 प्रतिशत का पारस्परिक शुल्क लगाया गया था। अब वियतनाम को अमेरिका से शुल्क में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। अपैरल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ने पत्र लिखकर सरकार से पारस्परिक शुल्क को टालने के संबंध में अमेरिका से बातचीत करने का अनुरोध किया है।

इन सबके बीच अमेरिका के खरीदार भारतीय निर्यातकों से डिलीवरी कीमत में 10-26 प्रतिशत तक की छूट मांग रहे हैं। हालांकि गारमेंट और लेदर सेक्टर के भारतीय निर्यातकों का कहना है कि अमेरिका के बाजार में कई देशों से भारी प्रतिस्पर्धा होने के नाते हम पहले से ही कम मार्जिन पर काम करते हैं।

74 तक टूटेगा यह पावर शेयर, एक्सपर्ट का अनुमान, बोले- बेच दो, लगातार गिर रहा भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनएचपीसी के शेयर लगातार कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को 1% से अधिक गिरकर 83.49 रुपये पर बंद हुए थे। हाइड्रो पावर कंपनी के शेयर पिछले एक साल में 10% तक गिर गए हैं। पीएसयू के शेयर की कीमत में भारी गिरावट देखी गई है, जिससे निवेशकों में चिंता बढ़ गई है। एनएचपीसी के शेयरों में तेज गिरावट ने खुदरा निवेशकों को असमंजस की स्थिति में डाल दिया है और उनके आत्मविश्वास को भी प्रभावित किया है। एनएचपीसी की कंपनी के मजबूत फंडामेंटल और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में बाजार हिस्सेदारी के बावजूद इसके शेयर दबाव में हैं।

ब्रोकरेज फर्म कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने सेल रेटिंग और 74 के रिवाइज टारगेट प्राइस के साथ मंदी की ओर रुख किया है। वहीं, छ्रु ने शेयर पर अपनी हाई कन्विक्शन आउटपरफॉर्म रेटिंग को बरकरार रखा है और प्रति शेयर 117 का प्राइस टारगेट दिया है। विदेशी ब्रोकरेज को यह भी उम्मीद है कि अगले चार सालों में शेयर की कीमत दोगुनी हो जाएगी।

एनएचपीसी के शेयर की कीमत एक बार 100 रुपये के पार चली गई थी। हालांकि, अब शेयर की कीमत में गिरावट आई है और यह 90 रुपये से भी नीचे कारोबार कर रहा है।

बीता हफ्ता निवेशकों के लिए रहा भारी, 9 कंपनियों के 2.94 लाख करोड़ रुपये डूबे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कम कारोबारी सत्रों वाले बीते सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2,94,170.16 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,050.23 अंक या 2.64 प्रतिशत नीचे आया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 614.8 अंक या 2.61 प्रतिशत का नुकसान रहा।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। भारती एयरटेल एकमात्र कंपनी रही, जिसकी बाजार हैसियत बढ़ी है।

बीते सप्ताह में टीसीएस का मार्केट कैप 1,10,351.67 करोड़ रुपये घटकर 11,93,769.89 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 95,132.58 करोड़ रुपये घटकर 16,30,244.96 करोड़ रुपये पर और इन्फोसिस का 49,050.04 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 6,03,178.45 करोड़ रुपये पर आ गया।

बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 14,127.07 करोड़ रुपये घटकर 5,40,588.05 करोड़ रुपये रही। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 9,503.66 करोड़ रुपये घटकर 9,43,264.95 करोड़ रुपये पर आ गया। प्राइवेट सेक्टर के एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 8,800.05 करोड़ रुपये घटकर 13,90,408.68 करोड़ रुपये पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मूल्यांकन 3,500.89 करोड़ रुपये घटकर 5,27,354.01 करोड़ रुपये रह गया।

कर्ज फ्री होने जा रही यह कंपनी! 315 का है शेयर, रेखा झुनझुनवाला के पास भी हैं 27 लाख शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाजार स्टाइल रिटेल के शेयर आने वाले दिनों में फोकस में रह सकते हैं। कंपनी ने 31 मार्च, 2025 तक अपने नेट कर्ज को घटाकर 100 करोड़ कर दिया है, जो एक साल पहले 1,700 करोड़ था। कंपनी अब अगले दो से तीन सालों में कर्ज फ्री होने का टारगेट बना रही है। बाजार स्टाइल रिटेल के शेयर बीते शुक्रवार को 5त्न तक गिरकर 315 रुपये पर बंद हुए थे।

CNBC-TV18 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी कर्ज घटाने पर फोकस कर रही है। कंपनी का टारगेट FY26 में 25-30त्न की रेवेन्यू बढ़ाने का है। इसमें लाइक-टू-लाइक वृद्धि 8-10% की सीमा में है। कंपनी को लाभप्रदता में भी सुधार की उम्मीद है। कंपनी वित्त वर्ष 26 में 15-16% के EBITDA मार्जिन का अनुमान लगा रही है, जबकि वित्त वर्ष 25 के लिए 14-15त्न की उम्मीद है। स्टोर विस्तार कंपनी की विकास रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ है। इसने वित्त वर्ष 25 में 52 स्टोर खोले और आने वाले वर्ष में 40 से 50 और स्टोर जोड़ने की योजना बनाई है, मुख्य रूप से छह फोकस राज्यों- पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम, बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड में। कंपनी का Q4FY25 राजस्व ?345 करोड़ रहा, जो साल-दर-साल 55त्न की वृद्धि दर्शाता है।

पेट्रोल-डीजल होगा सस्ता? कच्चे तेल के गिरते भाव से जगी उम्मीद, ट्रंप की टैरिफ नीति का भी होगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। यह बहुत ही कम बार होता है कि एक तरफ मुद्रा बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले मजबूत हो रहा हो और दूसरी तरफ अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आ रही हो।

शुक्रवार को रुपया डॉलर के मुकाबले पांच पैसे मजबूत हो कर 85.25 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी तरफ, ब्रेंट क्रूड (क्रूड बाजार का मानक) की कीमतों में पिछले तीन वर्षों की सबसे बड़ी गिरावट भी शुक्रवार को हुई। यह 3.26 फीसद की गिरावट के साथ 67.87 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया था।

फिर जरूर मिली होती राहत- अगर किसी सामान्य काल में ऐसा होता तो तेल कंपनियों ने आम जनता को पेट्रोल व डीजल की खुदरा कीमतों में कमी करने का तोहफा जरूर दिया होता, लेकिन फिलहाल इसकी उम्मीद कम दिखती है। वित्त मंत्रालय के आला अधिकारियों का कहना है कि ट्रंप प्रशासन की तरफ से पारस्परिक शुल्क लगाने के बाद जिस तरह से वैश्विक माहौल बन रहा है, उसको देखत हुए सतर्क रहने की जरूरत है।

एक साल पहले कम हुई थी कीमतें - भारत में पिछली बार पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कटौती पिछले आम चुनाव से पहले मार्च, 2024 में दो रुपये प्रति लीटर की हुई थी। पेट्रोलियम मंत्रालय के आंकड़ें स्वयं बताते हैं कि जून, 2024 और सितंबर, 2024 को छोड़ दिया जाए तो भारत ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में मार्च, 2024 के मुकाबले सस्ती दरों पर ही कच्चे तेल की खरीद की है।

मार्च, 2024 के माह में भारत के लिए क्रूड खरीद की औसत लागत 82.58 डॉलर प्रति बैरल थी। अप्रैल के पहले तीन दिनों में यह 75.76 डॉलर प्रति बैरल है। केयर एज रेटिंग एजेंसी की एक रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में भारत की औसत क्रूड खरीद कीमत 85.21 डॉलर प्रति बैरल, दूसरी तिमाही में 78.80 डॉलर प्रति बैरल, तीसरी तिमाही में 73.83 डॉलर प्रति बैरल रही है।

क्या कम होंगे पेट्रोल-डीजल के भाव- अगर छह महीने तक इस एजेंसी ने क्रूड की कीमत को 75-80 डॉलर रहने का अनुमान लगाया है। अब कीमतें विशेष शोध एजेंसियों के अनुमान से नीचे आ गई हैं और कुछ अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने इससे भी नीचे जाने की बात कही है। वजह यह बताया जा रहा है कि अमेरिका भी क्रूड उत्पादन बढ़ा रहा है और तेल उत्पादक देशों के संगठन (ओपेक) ने भी उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया है। एक तरफ उत्पादन बढ़ने की स्थिति है तो दूसरी तरफ मांग के घटने की संभावना है।

3 के शेयर वाली कंपनी को खरीदने की होड़, रेस में अडानी समेत 26 कारोबारी समूह, कल फोकस में रहेंगे शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जयप्रकाश एसोसिएट्स के शेयर फोकस में रह सकते हैं। कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को 5त्न तक चढ़कर 3.48 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। इधर, खबर है कि अरबपति उद्योगपति गौतम अडानी का समूह, माइनिंग दिग्गज अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता और योग गुरु रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद समेत 26 कंपनियां कर्ज में डूबी कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स का अधिग्रहण करना चाहती हैं।

जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के अधिग्रहण में दिलचस्पी रखने वाली अन्य कंपनियों में अहमदाबाद स्थित टॉरेंट ग्रुप, जिंदल पावर, डालमिया सीमेंट, जीआरएम बिजनेस, ओबेरॉय रियल्टी और कोटक अल्टरनेट एसेट मैनेजर्स लिमिटेड शामिल हैं। शेयर बाजारों को जेएएल ने अधिग्रहण की इच्छुक कंपनियों के बारे में यह सूचना दी है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

प्रदेश में गर्मियों की छुट्टियों का एलान... छात्रों को मिलेगा 46 दिन का आराम, शिक्षक हुए नाराज

भोपाल। मध्य प्रदेश में एक मई से शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए गर्मी की छुट्टी 46 दिन रहेगी। यह एक मई से प्रारंभ होकर 15 जून तक चलेगी। वहीं शिक्षकों को 31 दिन का ग्रीष्मकालीन अवकाश मिलेगा। यह एक मई से 31 मई तक रहेगा।

शिक्षक संगठनों का कहना है कि पिछले वर्ष सात दिन छुट्टी कम मिली थी। इस वर्ष 15 दिन की कटौती की गई है। स्कूल शिक्षा विभाग ने वर्ष 2025-26 के लिए शैक्षणिक कैलेंडर के तहत अवकाश घोषित कर दिए हैं।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के साथ-साथ वर्षभर के दौरान अन्य अवकाशों के आदेश भी जारी कर दिए हैं। अक्टूबर में दो बार अवकाश मिलेगा। दशहरा का अवकाश एक से तीन अक्टूबर तक रहेगा। वहीं दीपावली का अवकाश 18 से 23 अक्टूबर तक दिया गया है।

पांच दिन का रहेगा शीतकालीन अवकाश

शीतकालीन अवकाश 31 दिसंबर से चार जनवरी 2026 तक रहेगा। इस बार दशहरा में तीन दिन, दीपावली में छह दिन और शीतकालीन अवकाश पांच दिन का रहेगा।

चंबल में एसएएफ टीम पर हमला, पथराव कर आरोपी को छुड़ा ले गए रेत माफिया

मुरैना। ट्रैक्टर-ट्रॉली और साथी को छुड़ाने के लिए रेत माफिया ने शनिवार-रविवार की रात वन विभाग और विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) की टीम पर हमला कर दिया। पथराव करके रेत माफिया अपने साथी को छुड़ाकर ले गए। देवगढ़ पुलिस ने इस मामले में चार अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है।

थाने के करीब हुआ टीम पर हमला देवगढ़ क्षेत्र में चंबल नदी से रात के समय में भारी मात्रा में रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन होने की शिकायतें वन विभाग को मिल रही थीं, इसीलिए वन विभाग के एसडीओ भूरा गायकवार्ड के नेतृत्व में वन विभाग व एसएएफ के जवानों की दो गाड़ियां देवगढ़ क्षेत्र में उन रास्तों पर गश्त कर रहीं थीं, जहां से अवैध रेत के वाहन गुजरते हैं। गश्ती टीम को नंदपुरा पुलिया पर रेत से भरे वाहन दिखे। टीम ने रोकने का प्रयास किया, तो अधिकांश ट्रैक्टर-ट्रॉली को लेकर माफिया अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए, लेकिन एक ट्रैक्टर-ट्रॉली व एक माफिया को घेराबंदी करके पकड़ लिया।उस ट्रैक्टर-ट्रॉली व माफिया को देवगढ़ थाने के सुपुर्द करने के लिए वन विभाग व एसएएफ की टीम कच्चे रास्ते से होकर जा रही थी।

बस चला रहे ड्राइवर को आया हार्ट अटैक, मौत; अनियंत्रित होकर ईंटों के ढेर से टकराकर रुकी

आगर मालवा। मध्य प्रदेश के आगर मालवा जिले में यात्री बस चलाने के दौरान चालक को हार्ट अटैक आ गया। इससे बस असंतुलित हो जाने से इसमें सवार लगभग 40 सवारियों की जान पर बन आई।

बस को डगमगाता देख सवारियों में खलबली मच गई, लेकिन गनीमत रही कि कुछ दूर जाने के बाद अनियंत्रित बस रोड के किनारे लगे होर्डिंग और ईंट के ढेर से टकराकर रुक गई। उसके बाद सबकी सांस में सांस आई। हालांकि तब तक सवारियां यह नहीं समझ पाई कि चालक को हार्ट अटैक आया है। सीट पर अचेत पाए जाने पर चालक को अस्पताल पहुंचाया गया, तो डॉक्टरों ने मृतक घोषित कर दिया।

ड्राइवर को बस चलाते समय आया हार्ट अटैक

डॉक्टरों के अनुसार चालक को हार्ट अटैक आया। इससे उसकी मृत्यु हो गई। मृतक चालक रईस खां बड़ोद से शुजालपुर के लिए निजी बस एमपी-70-पी-1786 ले जा रहा था। बस में करीब 60 सवारियां थीं। इस बीच आगरा मालवा में नलखेड़ा के पास उसे हार्ट अटैक पड़ गया।

मरने से पहले बस को संभालने की कोशिश की

यात्रियों का कहना है कि मरने से पहले चालक रईस ने स्थिति भांपकर अनियंत्रित हो चुकी बस को रोकने की कोशिश भी की, लेकिन वह उसे रोक न सका था। बस की स्पीड कम हो गई। हालांकि किसी भी यात्री को चोट नहीं आई। बस नहीं रुकती तो बड़ा हादसा हो सकता था। बस की चपेट में सड़क के किनारे खड़ी दो बाइक भी आई।

रतलाम में नवविवाहिता को दिया तीन तलाक, पति बोला- शक्ल दिखाई तो जान से मार दूंगा

रतलाम। मध्य प्रदेश के रतलाम शहर में एक युवक ने अपनी पत्नी के साथ गाली-गलौच कर चांटा मारा और तीन तलाक दे दिया।

महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने उसके पति आरोपित वसीम पुत्र सलीम खलीफा निवासी मिल्लत नगर के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 361 (3) व मुस्लिम महिलाओं के अधिनियम की धारा 4 के तहत प्रकरण दर्ज किया है।चार महीने पहले हुई थी शादी

पुलिस के अनुसार 21 वर्षीय महिला ने रिपोर्ट की है कि उसका विवाह करीब चार माह पहले दिसंबर 2024 में वसीम से हुआ था। एक माह बाद पति दो-तीन दिन पिता के घर जाकर रहने का कहने लगा। कुछ रुपये देकर पिता के घर भेज दिया। आठ दिन तक वह पिता के यहां रही।

आरोपी ने महिला को पीटा

पति से कहा कि उसे लेने आ जाओ, तो आने से मना कर दिया। 3 अप्रैल 2025 को वह अपनी मामी और बहन के साथ वसीम की दुकान पर गई, तो उसने गाली-गलौच कर कहा कि तुझे नहीं रखना चाहता। गाली देने से मना किया तो चांटा मार दिया।

जान से मारने की दी धमकी

उसने तीन बार तलाक..तलाक..तलाक बोलकर कहा कि मैंने तुझे तीन तलाक बोल दिया है। अब मेरे पास मत आना। उसने धमकी भी दी कि मेरे घर व आसपास दिखी तो जान से खत्म कर दूंगा। वसीम के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है।

बेटी की शादी के लिए खरीदा था सामान, शॉर्ट सर्किट से भड़की आग में सबकुछ खाक

शिवपुरी। बदरवास थाना क्षेत्र में अखाई महादेव गांव में शॉर्ट सर्किट से एक मकान में आग लग गई, जिसमें बेटी की शादी के लिए खरीदकर रखे सामान के साथ ही गेहूं, चना और भूसा भी जलकर नष्ट हो गया।

परिजनों ने आग की लपटें उठती देखीं, तो समय रहते घर से बाहर निकल आए, जिससे उनकी जान बच गई। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मुआवजे के लिए गुहार लगाई है, जिससे बेटी की शादी कर सकें। दरअसल, अखाई महादेव गांव में राजेश कुशवाह का कच्चा मकान है। गांव के ब्रजभान और जगराम यादव ने पानी की मोटर चलाने के लिए अवैध रूप से बिजली के तार डाले थे, जो राजेश के कच्चे घर की छत से होकर गुजर रहे थे।

इन बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट के कारण चिंगारी कच्चे मकान की छत पर गिरी, जिससे आग भड़क गई। अंदर राजेश के परिवार के सदस्य मौजूद थे, लेकिन वह समय रहते बाहर निकल आए। हालांकि हादसे में 4 क्विंटल गेहूं, करीब 22 क्विंटल

चना और भूसा जलकर खाक हो गया है। बेटी की शादी के लिए खरीदा सामान भी जल गया।

रविवार को राजेश कुशवाह अपने गांव खजूरी गए हुए थे। वहां वे कुछ लोगों को शादी का निमंत्रण देने गए थे। परिजनों ने फोन पर घर में आग लगने की सूचना दी, तो वह तुरंत लौटकर आए।

दरअसल राजेश की बेटी का विवाह 20 अप्रैल को है। ऐसे में उसे देने के लिए पलंग, बिस्तर, बर्तन और कपड़े आदि खरीदे गए थे। इस सामान को घर के दूसरे कमरे में रखा था। आग इतनी तेजी से फैली की परिजनों को सामान निकालने का समय नहीं मिला। ये पूरा सामान भी जलकर खाक हो गया।पीड़ित राजेश कुशवाह ने प्रशासन से मुआवजा दिए जाने की मांग की है, जिससे वह बेटी की शादी के लिए पूरा इंतजाम कर सकें।

दमकल पहुंचने तक जल गया था सामान घर में आग लगने पर लोगों ने पुलिस के साथ ही दमकल वाहन को भी सूचित किया। हालांकि, दकमल वाहन जब तक पहुंचा, पूरे मकान में आग फैल चुकी थी। आग पर काबू पाने तक पूरा सामान जल चुका था।

बजट सत्र के दौरान नमाज पढ़ने पर मचा बवाल, सभापति बोले नमाज के लिए अवकाश की अनुमति नहीं दी

इंदौर। नगर निगम सभागृह में दस घंटे चले बजट सम्मेलन के दौरान मुस्लिम पार्षदों द्वारा निगम परिसर में नमाज पढ़ने का मुद्दा गरमा गया है। सभापति ने कहा कि पार्षदों को न तो बजट सत्र के दौरान अवकाश पढ़ने के लिए अवकाश दिया गया और न ही अनुमति दी। नमाज पढ़ने में शामिल रुबीना इकबाल खान ने कहा कि -'अनुमति का प्रश्न कहां उठता है। हमने तो सदन को बताया था कि हमें नमाज पढ़ना है। तब सभापति और मेयर क्यों नहीं बोले कि यहां नमाज मत पढ़ना। मुझे क्या पता था कि इस पर इतना बवाल होगा। हमने नमाज ही पढ़ी है कोई आतंकवादी थोड़ी थे कि हम बम लेकर गए थे या परिसर को उड़ाने की तैयारी थी। हर बात पर रोक लगाना ठीक नहीं है।' इस मामले में सभापति मुन्ना लाल यादव ने बताया कि नमाज के लिए बैठक नहीं की गई। भोजन अवकाश दिया गया था। निगम परिसर में नमाज पढ़ने के लिए किसी भी प्रकार कोई अनुमति नहीं दी गई। सभापति ने कहा कि निगम परिषद बैठक के दौरान हमेशा की तरह आमतौर पर दोपहर 1.30 से 2 बजे के मध्य लंच ब्रेक होता है उसी परम्परा अनुसार दोपहर दो बजे लंच ब्रेक किया गया था।

यह था मामला- शुक्रवार को नगर निगम के अटल बिहारी वाजपेयी हॉल में बजट सत्र पर चर्चा चल रही थी। इस दौरान कांग्रेस पार्षद रुबीना इकबाल खान ने बजट से जुड़े मुद्दों पर बहस की। उन्होंने जुम्मे की नमाज पढ़ने का हवाला देकर अवकाश मांगा। सभापति ने 45 मिनट का भोजन अवकाश दिया। इस दौरान मुस्लिम पार्षदों ने भोजन से पहले निगम परिसर में ही नमाज पढ़ी। जिस पर शनिवार को चर्चा होती रही।

तीन दिन में 2 हजार रुपये गिरे सोने के रेट, आगे भी और घट सकते हैं दाम

इंदौर। जनवरी से सोने के भाव में तेजी जारी थी, तब अमेरिका के टैरिफ प्लान से उपजी अनिश्चितता का असर सोने की तेजी के पीछे बताया गया। अब जब टैरिफ लागू हो चुका है तो दुनियाभर के बाजारों में अनिश्चितता बढ़ी।

दो दिनों में अमेरिका समेत तमाम बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों के शेयर बाजार टूट गए। बाजार टूटे तो सोने में सुरक्षित निवेश यानी सेफ हेवन की मांग बढ़नी थी और सोने के दामों में और उछाल आना था। हालांकि बाजारों में इससे उलट असर देखा जा रहा है।

बाजार टूटने के साथ सोने-चांदी के दाम भी टूटे- तीन दिनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 3150 डॉलर प्रति औंस से घटकर अब 3038 डॉलर प्रति औंस पर आ गया है। इसी तरह चांदी भी अब 29.52 डॉलर प्रति औंस पर आ गई है। यानी बाजार टूटने के साथ सोने और चांदी के दाम भी टूटे।

रेसिप्रोकल टैरिफ ने स्टॉक मार्केट को हिलाया तो सोना क्यों गिरा? इस सवाल के जवाब में वित्तीय विश्लेषक महेश नटानी कहते हैं आधारभूत सिद्धांत कहता है कि बाजारों की अनिश्चितता में सोने में सेफ हेवन डिमांड के साथ दाम बढ़ना थे, लेकिन टैरिफ के बाद ऐसा नहीं हुआ।

इसका अर्थ है कि बीते दिनों से सोने की जो तेजी आई थी वो केंद्रीय बैंकों की खरीदी के कारण नहीं बल्कि हेज फंडों के कारण थी। अब जब शेयर बाजार टूटे तो हेज फंडों की ओर से मार्जिन कॉल आने लगी। ऐसे में क्रास सेलिंग के कारण सोने में गिरावट हो रही है।

सभी जगह पैसा लगाते हैं- दरअसल हेज फंड स्टाक, सोना-चांदी, क्रूड आइल और बेस मेटल जैसे सभी जगह पैसा लगाते हैं। ताजा दौर में सोने को छोड़कर सभी जगह घाटे की स्थिति दिख रही है। ऐसे में घाटे की पूर्ति के लिए क्रास सेलिंग या मार्जिन कॉल सोने में आ रही है। यानी हेज फंड सोना बेच रहे हैं।

यही सोने-चांदी की गिरावट का कारण दिख रहा है। ऐसे दौर में निवेशकों को सतर्क रहने की जरूरत है। क्योंकि यदि हेज फंड ही कीमती धातु में गिरावट की वजह है तो इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता ही सोना और चांदी में आगे और भी गिरावट देखी जा सकती है।

एयरपोर्ट रोड पर पुराना पेड़ गिरने से चार लोग हुए घायल, दो की हालत गंभीर; इलाज जारी

इंदौर। इंदौर के एयरपोर्ट रोड पर शुक्रवार शाम को 100 साल से भी पुराना पेड़ अचानक गिर गया। जिसकी चपेट में आने से चार घायल लोग हो गए। सभी घायलों को नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया। इनमें दो की हालत गंभीर बनी हुई है। वर्षों पुराना पेड़ होने के कारण उसकी जड़ें कमजोर हो गई थी और आसपास सीमेंट का निर्माण होने के कारण वह सूखने लगा था। इस वजह से पेड़ गिरा। एरोड्रम थाना पुलिस के अनुसार, यह घटना नृसिंह वाटिका के पास की है। सड़क किनारे स्थित एक पुराना पेड़ अचानक गिर गया, जिससे वहां से गुजर रहे एक ठेला चालक और एक वाहन चालक इसकी चपेट में आ गए। एक महिला और एक नाबालिग बालक भी इस हादसे में घायल हुए हैं। दुर्घटना के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को निजी अस्पताल पहुंचाया गया।

जानकारी के अनुसार, महिला और बालक की हालत गंभीर बनी हुई है और दोनों का इलाज आईसीयू में चल रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। उसके बाद नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और सड़क पर गिरे पेड़ को हटाकर यातायात सुचारु करने का प्रयास शुरू किया। ट्रैफिक जाम भी लगता रहा।

जल संरक्षण के लिए निरंतर बढ़ रही है जन सहभागिता

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जल संरक्षण अभियान देशभर में जन-आंदोलन बन चुका है। मध्यप्रदेश में चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान में जन सहयोग उमड़ रहा है। इसमें निरंतर जन सहभागिता बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन के माँ क्षिप्रा के तट रामघाट से 30 मार्च को प्रदेश स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरूआत की थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि जल संरक्षण के लिए जन भागीदारी जुटने से स्पष्ट है कि प्रदेश प्रधानमंत्री श्री मोदी के 'जन सहयोग से जल संरक्षण' की मुहिम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर अग्रिम पंक्ति में आ गया है।

राज्य सरकार खेत का पानी खेत में, गांव का पानी गांव में के सिद्धांत पर जल संरक्षण की दिशा में अभियान चला रही है। इसे सफल बनाने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान में वर्षा जल संचयन, पुराने जल स्रोतों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य सरकार का यह अभियान जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता देकर अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ें।

उज्जैन में जन सहभागिता से आगे बढ़ रहा अभियान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा उज्जैन से प्रारंभ किये गये अभियान में जल संरक्षण, जल स्त्रोंतो के पुनरूद्धार, भू-जल स्तर सुधार, पुराने कुओं-बावड़ियों के जीर्णोद्धार, जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, पौध-रोपण, छोटी नदियों, तालाब जैसी जल संरचनाओं के संरक्षण करने के लिए चल रहे इस अभियान में अब जन सहयोग भी उमड़ने लगा है। उज्जैन जिला पंचायत सीईओ श्रीमति जयति सिंह के साथ जनपद पंचायत उज्जैन की टीम ने भी जन सहयोग से चिंतामण बावड़ी, गोठड़ा बावड़ी, राणावड़ बावड़ी और बामोरा बावड़ी की साफ-सफाई की।

इंदौर में धर्मगुरु बता रहे हैं जल की महत्ता- इंदौर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरक्षण की महत्ता जन-जन तक पहुँचाने के लिए धर्मगुरु भी जुड़ रहे हैं। धर्मगुरु अपने उपदेशों से जल की महत्ता जन-जन तक पहुँचा रहे हैं। इनकी प्रेरणा से नागरिक श्रमदान कर बावड़ी, कुँओं और तालाबों को संवार रहे हैं। इन्दौर जिले के बरलाई जागीर गांव में चारभुजा नाथ मंदिर सांवेर के गुरु श्री आनंदाचार्य ने आश्रम के बटुकों के साथ पूजन-अर्चन किया। मंत्रोच्चार के साथ जल का पूजन भी किया गया। उन्होंने उपस्थित जनों को जल की महत्ता समझाते हुए कहा कि जल की एक-एक बूँद जीवनदायी होती है। हमारी धार्मिक मान्यताओं में भी जल का विशेष स्थान है। इसलिए सभी को मिलकर जल को सहेजने चाहिये। श्री आनंदाचार्य के आह्वान पर श्रद्धालुओं ने बरलाई जागीर की बावड़ी के लिये श्रमदान किया। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान, प्रदेश में जल की प्रचुर उपलब्धता और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। मध्यप्रदेश जन-अभियान परिषद ने महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के सहयोग से सीधी की सबसे महत्वपूर्ण जल संरचना गोपालदास तालाब में से गाद निकाल कर उसकी साफ-सफाई के लिए श्रमदान का क्रम प्रारंभ किया है, जो अलग-अलग जल संरचनाओं की सफाई के रूप में निरंतर जारी है। इसके साथ ही जल संरक्षण के प्रति जन सामान्य को जागरुक बनाने के लिए चौपाल संगोष्ठी, दीवार लेखन और निबंध-कविता आदि साहित्यिक प्रतियोगिताओं के आयोजन भी कराए जा रहे हैं।

बीआरटीएस स्थित 9 चौराहों पर बनाए जाने वाले फ्लाईओवर और अंडर पास के संबंध में फीजिबिलिटी सर्वे और अध्ययन की अंतिम तकनीकी रिपोर्ट का जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में प्रजेंटेशन

कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

इंदौर। इंदौर शहर में बीआरटीएस स्थित 9 चौराहों पर बनाए जाने वाले फ्लाई ओवर और अंडर पास के संबंध में फीजिबिलिटी सर्वे और अध्ययन की अंतिम तकनीकी रिपोर्ट प्राप्त हो गई है। इस रिपोर्ट के संबंध में चर्चा के लिए आज यहां कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में शहर के अन्य व्यस्त 11 चौराहो पर भी फ्लाई ओवर निर्माण तथा अन्य विकास कार्यों के संबंध में तैयार अध्ययन रिपोर्ट के संबंध में भी चर्चा हुई।

बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, ट्रैफिक डीसीपी श्री अरविंद तिवारी, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, अपर आयुक्त नगर निगम श्री रोहित सिसोनिया, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी. अहिरवार सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में इंदौर के बीआरटीएस स्थित 9 चौराहों एम.आर-9 चौराहा, एलआईजी चौराहा, इंडस्ट्री हाउस चौराहा, गिटार चौराहा, पलासिया चौराहा, गीता भवन चौराहा, शिवाजी वाटिका चौराहा, जीपीओ चौराहा तथा नौलखा चौराहा पर फ्लाईओवर/अंडरपास बनाए जाने के संबंध में इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा कराए गए फीजिबिलिटी सर्वे तथा अध्ययन की रिपोर्ट का पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन किया गया। बताया गया कि इन चौराहों पर फ्लाईओवर/अंडरपास बनाया जाना उपयोगी है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा के बाद इसको अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने आवश्यकता के अनुसार प्राथमिकता भी तय करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि प्राथमिकता के अनुसार सबसे पहले शिवाजी वाटिका तथा नौलखा, एलआईजी चौराहा, गीता भवन चौराहा, पलासिया चौराहा और एमआर-9 चौराहा पर निर्माण शुरू किया जा सकता है।

बैठक में अन्य व्यस्त 11 चौराहों पर भी फ्लाईओवर निर्माण अथवा चौराहो के विकास कार्य कराए जाने के संबंध में भी चर्चा हुई। इनमें प्रमुख रूप से टावर चौराहा, चाणक्यपुरी चौराहा, गोपुर चौराहा, अग्रसेन चौराहा पर फ्लाईओवर बनाए जाने की उपयोगिता पर चर्चा हुई। बताया गया कि इन चौराहों पर फ्लाईओवर बनाया जाना उपयोगी है। अन्य कृषि कॉलेज चौराहा, छावनी चौराहा, पत्रकार कॉलोनी चौराहा, आजाद नगर चौराहा, जंजीर वाला चौराहा आदि के विकास के संबंध में भी चर्चा की गई। बताया गया कि चोइथराम मंडी चौराहा पर भी फ्लाई ओवर बनाया जाना है। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि शहर की सड़कों को यातायात की सुगमता के लिए अतिक्रमण मुक्त कराया जाना बेहद जरूरी है। अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए चल रहे अभियान को गति दी जाए। सड़कों पर अव्यवस्थित तथा अनाधिकृत रूप से वाहन खड़े करने या फुटपाथ पर सामान रखकर यातायात बाधित करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए।

सातवां पोषण पखवाड़ा 8 से 22 अप्रैल तक

इंदौर। प्रदेश में व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से कुपोषण को कम करने के लिए पोषण अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्येक वर्ष पोषण अभियान के तहत पोषण को जन आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से पोषण पखवाड़ा मनाया जाता है। इस पर सातवां पोषण पखवाड़ा 8 से 22 अप्रैल तक मनाया जाएगा। केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्रालय द्वारा %जीवन के प्रथम 1000 दिवस% पोषण ट्रैकर में लाभार्थी मॉड्यूल को लोकप्रिय बनाने व्यापक प्रचार-प्रसार, समुदाय आधारित पोषण प्रबंधन मॉड्यूल के माध्यम से कुपोषण का प्रबंध तथा बच्चों में मोटापे को दूर करने के लिए स्वस्थ जीवन शैली को अपने पर बाल जैसे थीम पर केंद्रित विभिन्न गतिविधियों को आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। पोषण पखवाड़ा के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र सेक्टर, परियोजना एवं जिला स्तर की गतिविधियों में स्थानीय पोषण संसाधनों की को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण, सामुदायिक जागरूकता और पोषण संवेदनशील कार्यक्रम जैसे आयोजन किए जाएंगे।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

बिलासपुर-बीकानेर एक्सप्रेस के एसएलआर कोच में लगी भीषण आग

ट्रेन के जनरेटर डिब्बे में आग लगने के बाद अफरा तफरी मची

उज्जैन। तराना में 20846 बिलासपुर-बीकानेर गाडी में रविवार शाम अचानक भीषण आग लग गई, ट्रेन के एसएलआर (जनरेटर डिब्बे) में आग लगने के बाद अफरा तफरी मची, जिसके बाद इस डिब्बे को अलगकर गाड़ी को रवाना कर दिया गया है।

रेलवे पीआरओ खेमराज मीणा ने बताया कि ट्रेन बीकानेर से चलकर बिलासपुर जा रही थी। शाम करीब 5:30 बजे तराना रोड स्टेशन से पहले ट्रेन के पावर कोच में आग निकलने की घटना हुई। हादसे के बाद ट्रेन से इस डिब्बे को अलग कर दिया गया था। इस दौरान तराना से फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को बुलाकर आग पर काबू पा लिया है। आग लगने के बाद ग्रामीण भी ट्रेन में लगी आग को बुझाने के लिए पहुंचे। जिन्होंने कोच के कांच फोड़कर और पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। इस हादसे में कोई भी जनहानि नहीं हुई है। अगर समय रहते रेलवे के जिम्मेदार और ग्रामीण जन अपनी सूझबूझ का परिचय नहीं देते तो जरूर बड़ी घटना घटी तो सकती थी। नया कोच आया फिर ट्रेन हुई भोपाल के लिए रवाना

जिस समय ट्रेन के एसएलआर डिब्बे में आग लगी थी उसे समय यह ट्रेन काली सिंध नदी के ब्रिज पर थी। इस दौरान रेलवे के कर्मचारियों के साथ मिलकर ग्रामीणों ने पावर कोच में लगी आग को बुझाने के लिए पानी और अन्य साधनों से व्यवस्था की गई। और आग पर काबू पाया। आग लगने के बाद ट्रेन को तराना स्टेशन पर रोक दिया गया था। इस दौरान आग पर काबू पाने के बाद उज्जैन रेलवे स्टेशन से पावर कोच मंगा कर 6:32 पर ट्रेन को भोपाल के लिए रवाना कर दिया गया।

आग लगने से जनरेटर के अंदर हुए धमाके

सोर्स बताते है कि जनरेटर कोच में वायरिंग फाल्ट होने के कारण आग लगी थी। आग लगते ही जनरेटर के अंदर तेज धमाकों के साथ वायरिंग फॉल्ट हुई। इससे धुआं बाहर निकलने लगा। जब लोगों ने धुंआ निकलते देखा और तेज धमाकों की आवाज सुनी तो वो दहशत में आ गए और ट्रेन के रूकते ही अपने अपने कोच से नीचे उतर गए। कुछ ही देर में पूरी ट्रेन खाली हो गई और अफरा तफरी का माहौल बन गया।

रामनवमी पर साईं बाबा मंदिर से निकली पालकी यात्रा

रास्ते भर हुई पालकी पर पुष्पवर्षा, आज होगा भंडारा, 10 हजार से अधिक भक्त प्रसादी ग्रहण करेंगे

उज्जैन। रामनवमी के पावन पर्व पर अलखधाम नगर स्थित साईं बाबा मंदिर से पालकी यात्रा निकाली गई। पुष्पों से सजी पालकी में बाबा नगर भ्रमण पर निकले। भक्त झूमते नाचते हुए पूरी यात्रा में साथ चले, रास्ते भर भक्तों ने कई जगहों से पुष्पवर्षा की।

साईं मंदिर के ट्रस्टी ओम बंसल एवं अनूप सिंघल ने बताया कि साईं मदिर में बाबा की महाआरती के पश्चात 6 अप्रैल रविवार को की शाम साईं बाबा मंदिर से पालकी यात्रा प्रारंभ हुई। यात्रा में महापौर मुकेश टटवाल, जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष भरत पोरवाल, मनोहर दूधवानी, साईं सेवा समिति के अध्यक्ष रमेश परवाल, सचिव हेमेंद्र खंडेलवाल, पालकी यात्रा के प्रभारी दीपक बेलानी, संजय सोडानी, समिति के सदस्य प्रेमसिंह यादव, एडवोकेट आरसी परिहार, मोहनलाल शाह, राजेंद्र पटेल, सुरेंद्र मालवीय, सुरेंद्र सोलंकी सहित बड़ी संख्या में साईं भक्त शामिल हुए। साईं बाबा की पालकी यात्रा मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर शास्त्रीनगर, सिंधी कॉलोनी, सांवेर रोड़, अलखधाम नगर होते हुए पुनः मंदिर प्रांगण पहुंची। आज 7 अप्रैल को महाप्रसादी का आयोजन होगा। जिसमें सभी भक्तों से प्रसादी ग्रहण करने का अनुरोध किया है।

श्री अभिराम आश्रम पर मनाया अन्नकूट महोत्सव, राम रसोई में भक्तों ने ग्रहण की प्रसादी

उज्जैन। रामनवमी के पावन पर्व पर श्री अभिराम आश्रम में अन्नकूट महोत्सव एवं राम रसोई का आयोजन किया गया।

आध्यात्मिक परिवार, श्री अभिराम आश्रम परिवार द्वारा 5 अप्रैल शनिवार को आश्रम पर श्रद्धा पूर्वक आनंद के साथ अभिषेक पूजन किया गया। वहीं 6 अप्रैल रविवार को दोपहर 12 बजे महाआरती की गई। कन्या भोज का आयोजन हुआ। तत्पश्चात भोजन प्रसादी का आयोजन हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसादी ग्रहण

श्रीराम मंदिर योगीपुरा में हुआ 'श्रीराम जन्म कीर्तन'

उज्जैन। मर्यादा संयम, तप, आज्ञा, पिता का वचन, भाई की इच्छा, ऐसे सभी नियमों का पालन करने वाले भगवान श्रीराम थे।

उक्त विचार महाराष्ट्र समाज के श्रीराम मंदिर योगीपुरा में 'श्रीराम जन्म कीर्तन' पर बोलते हुए प्रसिध्द कीर्तन कार संगीता सुपेकर ने 6 अप्रैल को श्रीराम जन्म उत्सव के अवसर पर कहे। कार्यक्रम संयोजक संजय दिवटे के अनुसार प्रारंभ में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उदय सोहले 'सोहले आर्ट्स', विशेष अतिथि पार्षद एवं नगर निगम उद्यान एवं लोकनिर्माण समिति प्रभारी शिवेंद्र तिवारी थे। अध्यक्षता पंकज चांदोरकर ने करते हुए समाजसेवी राजू निम्बालकर का सम्मान किया। दोपहर 12 बजे भगवान श्रीराम का जन्म धूमधाम से मनाया जाकर महाआरती पश्चात महाप्रसादी व लस्सी का वितरण किया गया। अतिथियों का स्वागत समाज के सचिव सुशील मूले, कोषाध्यक्ष जितेंद्र आप्टे, सहसचिव मिलिंद पन्हालकर, रविंद्र मूले, संजय दिवटे, मनोज कार्लेकर, प्रदीप जोग, अजीत कालकर, तुषार मुजुमदार, अमित सुपेकर, निलेश फडणीस, राजश्री जोशी आदि द्वारा किया गया। हारमोनियम पर अशोक देशमुख, तबले पर जयंत पंडित ने कलाकार का साथ दिया। संचालन व आभार सचिव सुशील मुले द्वारा किया गया।

बाबा साहब के विचार लेकर गांव-गांव घूम रही संविधान धर्म यात्रा

उज्जैन। अजाक्स संगठन द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के जन्मोत्सव के अवसर पर 1 से 14 अप्रैल तक प्रदेशभर में संविधान बचाओ देश बचाओ पखवाड़ा मनाया जा रहा है जिसके तहत निकाली जा रही संविधान बचाओ, देश बचाओ रथ यात्रा नागदा पहुँची। जहां यात्रा का पूर्व विधायक दिलीपसिंह गुर्जर ने स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को पुष्पमाला अर्पण की। इसके साथ ही रथ यात्रा में शामिल अजाक्स के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं का स्वागत अभिनंदन किया।

जिला अध्यक्ष डॉ आर एल परमार ने जानकारी देते हुए बताया कि संविधान धर्म 1 अप्रैल को टावर से शुरू की थी। जो लगातार उज्जैन के ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर भ्रमण कर रही है। अजाक्स संगठन बाबा साहब का जन्म महोत्सव 1 अप्रैल से 14 अप्रैल तक बाबा साहब की रथ यात्रा निकाल कर मनाया जा रहा है। रथ के माध्यम से जिले के सभी गांव में जाकर यात्रा निकल जा रही है और बाबा साहब का संदेश घर-घर तक संगठन द्वारा पहुंचाने का काम किया जा रहा है। संविधान बचाओ, भारत बचाओं अभियान को लेकर अजाक्स चला गांव की ओर, शुद्ध बनो बुद्ध बनो की भावनाओं के साथ भारत के संविधान की रक्षा के उद्देश्य को लेकर बाबा साहब अंबेडकर का भारतीय संविधान निर्माण में योगदान का स्मरण, सम्मान, पुष्पांजलि, अ.भा. कवि सम्मेलन, संविधान शपथ विधि समारोह कार्यक्रम दिनांक 1 अप्रैल 2025 से 14 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया जाएगा। यात्रा के दौरान प्रातीय सचिव महेश विरोलिया, संभागीय अध्यक्ष जगन्नाथ बागड़ी, कबीरपंथी रणजीत सिंह, पूर्व संभागीय सचिव रमेशचंद्र सूर्यवंशी, जिला मीडिया प्रभारी डी एल भीलवाड़ा, हीरालाल एरवाल तहसील अध्यक्ष नागदा गोपाल बामनिया, किशनलाल राठौर मनहोर अखंड आदि लोग उपस्थित थे।

बहुत सुन्दर सलोने से हमारे राम प्यारे हैं- डॉ. रामप्रकाश तिवारी

उज्जैन। रूपांतरण दशहरा मैदान पर गज़लांजलि साहित्यिक मंच की काव्य-गोष्ठी आयोजित हुई। डॉ. श्रीकृष्ण जोशी की अध्यक्षता में अवधेश वर्मा ने श्रीमद्भगवद्गीता पर कविता श्री भगवद्गीता पढ़कर ही, जीवन में बदलाव किया है, विश्वास करे ना कोई भले ही, सदा कर्म से जुड़ाव किया है पढ़ी। विनोद काबरा ने अहं का मन दाह करके पूर्ण अंतिम चाह करके, ज़िन्दगी खिलखिला उठी है रचना का पाठ किया। आज नहीं तो कल होगा निश्चित मीठा फल होगा, सुन्दर विश्व पटल होगा, सत्य सनातन सफल होगा कविता प्रफुल्ल शुक्ला सरकार द्वारा पढ़ी गयी। जल संरक्षण की ओर ध्यान ले जाती रचना बोल नदी बोल तेरा पानी कहाँ गया अक्षय चवरे ने पढ़ी। ग़ज़ल तमन्ना मिट गई अब तो कोई चाहत नहीं बाक़ी, रौनकें-बज़्म-ओ-मयक़शी में भी राहत नहीं बाक़ी विजयसिंह साकित ने पढ़कर वाहवाही पायी। मायूस ज़िन्दगी हमें तू कर ना पायेगी, है देखना बस यही कितना आज़मायेगी ग़ज़ल डॉ. अखिलेश चौरे ने पढ़ी। काव्य-गोष्ठी के अंतिम चरण में डॉ. रामप्रकाश तिवारी ने बहुत सुन्दर सलोने से हमारे राम प्यारे हैं, तिलक मस्तक सुशोभित है, शीश मुकुट धारे हैं श्रीराम भक्ति का सुन्दर गीत पढ़ा।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com